प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: इन्वायरमेंट पर डिस्कशन शुरु कर दीजिए...(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No; I think, it is too late for the discussion. Let us be very serious about it. We have enough laughter and jokes.

श्री खान गुफरान जाहिदी: मैडम, अब उस वक्त तक कोई आइटम ने लिया जाए जब तक हाऊस परमिट न करे।...(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can't sit in a vacuum in the House. The House cannot sit without any business. So, we can wait in the Chamber. I will ! come back after ten minutes. We can adjourn the House for ten minutes, and we will wait for the Prime Minister. I adjourn the House for ten minutes.

The House then adjourned at four minutes past six of the clock.

The House reassembled at fourteen minutes past six of the clock. The Deputy Chairman in the chair.

उपसभापति: एक घंटे में यह तीसरी दफा, चौथी दफा है। प्रधानमंत्री जी को आपने बुलाया है। क्या करना है, उनकी सुन लीजिए। प्रधानमंत्री जी आप पूछ लीजिए कि आपको क्यों बुलाया है।

मैं आपको संक्षेप में बता दूं। यह कह रहे थे, कुछ लोगों को शिकायत थी कि सुबह आप कुछ कहना चाह रहे थे। आप गुरुदास दासगुप्त जी के कहने पर बैठ गए थे और आपकी बात पूरी नहीं हो पाई थी। जो आप कहना चाह रहे थे, वह सुनना चाहते हैं। इतना उत्सुक है यह हाऊस प्रधामंत्री का भाषण सुनने के लिए।

RE.POSTAL STRIKE

प्रधानमंत्री (श्री अटलबिहारी वाजपेयी): उपसभापति जी, मैं सदन का आभारी हूं कि वह मेरी अधूरी बात को पूरे रुप में सुनना चाहतें हैं। मेरे कारण जो असुविधा हुई है, उसके लिए भी मुझे खेद है। सवेरे जब डाक हड़ताल का सवाल उठाया गया था तो मैं यह कहने के लिए खड़ा हुआ था कि हड़ताल की ताज़ा स्थिति के बारे में सारे तथ्य एकत्र किये जाएंगे और फिर सदन के सामने एक वक्तव्य के रुप में दोपहर को या शाम को जब समय होगा तब उपस्थिति किये जाएंगे। लेकिन यह बात मैं पूरी नहीं कर पाया था। यह बात सही है। इसी बीच में संचार मंत्री आ गई। मैंने समझा कि उनका विभाग है वह उसको सम्भालें और मैंने उनके लिए स्थान छोड़ दिया क्योंकि वह ताज़ा स्थिति से परिचित हैं, वह ताज़ा स्थिति से निबट रही हैं। वह हड़ताल किसी तरह से समाप्त हो, इसके लिए कर्मचारियों से लगातार बातचीत का सिलसिला जारी रखे हुए हैं।...(**व्यवधान**)...

उपसभापति: सर, लेडीज़ कस्ट वाली बात भी होगी।

प्रधानमंत्री (श्री अटलबिहारी वाजपेयी): मैं यही कहना चाहता था और अब तो मुझे खुशी है कि हड़ताल वापिस हो गई है। मैं यह आश्वसन देना चाहता हूं कि हड़ताल के लिए किसी भी कर्मचारी का विक्टीमाइज़ेशन नहीं होगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now all of you should thank the Rime Minister because he came here. Now Shrimati Sushma Swaraj.

SHRI JOHN F. FERNANDES (GOA): Madam, is it a *suo moto.* statement?

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not a *suo motu* statement. She is just informing the House about the latest position. There will be no clarifications. There is no need for clarification.

संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): उपसभपति महोदया, कई बार समय इतनी तेज गति से दौड़ता है कि सुबह की घटना भी शाम को बासी हो जाती है। आज सुबह माननीय सदस्यों ने कुछ मुद्दे बहुत उत्तेजना में उठाए थे लेकिन दोपहर बाद की घटनाओं ने उन्हें इनफ्रकुयस कर दिया क्योंकि हड़ताल वापिस हो गई और उसका संतोषजनक समाधान निकल आया। मेरे हाथ में सेक्रेटरी जनरल, नेशनल फेडरेशन आफ पोस्टल इम्पलाइज़ डी.आर. भटनागर और सेक्रेटरी जनरल फेडरेशन आफ नेशनल पोस्टल आर्गेनाइजेशन श्री जी.के. पदमानाभन, दोनों का संयुक्त रुप से हस्ताक्षर किया गया वक्तव्य है जिसके माध्यम से मैं सदन को अवगत कराना चाहती हूं। उन्होंने लिखा है —On 15.7.1998, the Joint Council of Action had a very fruitful discussion with the Chairman and members of the Postal Board. On 16.7.1998, the Joint Council of Action met the hon. Minister of Communications and she appealed to the unions to have full faith in her and assured sympathetic and peditious

settlement of the issues including implementation of the Talwar Committee recommendations contained in the charter of demands. JCA, expressing full confidence in the Minister's assurance, called off the strike forthwith. JCA appeals to all the employees to resume the work with immediate effect. On behalf of the employees, JCA assured the hon. Minister that the backlog will be cleared as expeditiously as possible and the normalcy will be restored. Thank you.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now on this very happy note, I adjourn the House till 11 a.m. .tomorrow.

The House then adjourned at nintecn minutes past six of the clock till eleven of the clock on Friday, the 17th July, 1998.